दैनिक भास्कर
INDORE, FRIDAY, 12/02/2016

ढाई साल में महिलाओं के...

पेज 17 का शेष...

केस 1 इंदौर बेस्ड एक प्रायवेट फर्म के अधिकारी जो वॉटर कन्जर्वेशन के एक्सपर्ट हैं। उन्हें यूके बेस्ड वेबसाइट की तरफ से ईमेल आया कि यूके में कोई बड़ी कॉन्फ्रेंस है और आपको उसमें शामिल होना है। आप हमें एक प्रेजेंटेशन बनाकर भेजिए। वह सिलेक्ट हो गया तो हम यूके का वीजा बनाकर देंगे। हम 1500 पाउंड स्टाइपंड भी देंगे। सिर्फ होटल आपको बुक कराना होगा। उसका तीन दिन की बुकिंग वाउचर लेकर हमें भेज दें। उनका प्रेजेंटेशन अप्रूव हो गया और उन्होंने होटल का वाउचर ईमेल कर दिया। अब उन्होंने कहा वीजा तो बना देंगे लेकिन कॉशन मनी आपको देना होगी क्योंकि आप नहीं आए तो हमारा पैसा वेस्ट होगा। उन्होंने यह भी किया। फिर उन्हें शक हुआ लेकिन तब तक पांच लाख रुपए वे गंवा चुके थे। दो दिन बाद देखा तो वेबसाइट ही डिलीट कर दी गई थीं।

इंदौर में नहीं है साइबर क्राइम थाना

• वरुण कपूर

वरुण कपूर ने बताया कि मध्यप्रदेश में भोपाल सबसे बड़े आंकड़ों के साथ सामने आया है लेकिन इंदौर में साइबर क्राइम थाना न होने से कैसे रजिस्टर ही नहीं हो पा रहे। यहां साइबर सेल है जहां से कम्प्लेंट्स भोपाल भेजी जाती हैं। हमें जरूरत है जागरूक रहने की।

सभी के लिए कुछ सुझाव

- लॉगिन करते वक्त रिमेम्बर पासवर्ड ऑप्शन या कीप लॉगिन पर क्लिक न करें।
- कोई भी बैंक आपका अकाउंट नंबर और पासवर्ड नहीं मांगता है। ऐसी लिंक फ्रॉड होती हैं।
- कहीं बाहर जाएं तो दुनिया को बताना जरूरी नहीं है। सोशल साइट पर यह जानकारी शेअर न करें।
- कोई ईमेल पर लिंक भेजे तो सीधे उस लिंक पर न जाएं। ब्राउजर में वेबसाइट का नाम लिखें और विजिट करें।
- हर अकाउंट का पासवर्ड एक न रखें। जय माता दी जैसे पासवर्ड से हैकर्स का काम आप आसान कर रहे हैं।